गुइलेन बैरे सिंड्रोम

पेरू ने GBS और **कोविड-19** के बीच संभावित संबंध के विषय में चिंता व्यक्त करते हुए **गुइलेन बैरे सिंड्रोम (GBS)** के मामलों में हाल ही में हुई वृद्धि को देखते हुए 90 दिनों के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आपातकाल की घोषणा की है।

- विशेष रूप से **पेरू ने वर्ष 2019 में भी GBS के बड़े प्रकोप का अनुभव किया,** एक विशिष्ट अवधि के दौरान 683 संदिग्ध या पुष्ट मामले सामने आए।

गुइलेन बैरे सिंड्रोम:

- **परिचय:** GBS एक बहुत ही दुर्लभ **ऑटोइम्यून विकार (Autoimmune Disorder)** है जो **परिधीय तंत्रिका तंत्र (Peripheral Nervous System)** को प्रभावित करता है। इसमें शुरुआत में मांसपेशियों में कमज़ोरी, दर्द एवं सुन्नता जैसे लक्षण देखे जाते है, जो **6-12 माह या उससे अधिक समय तक चलने वाले पक्षाघात (Paralysis)** में परिवर्तित हो सकते हैं।
    - यह सिंड्रोम **मांसपेशियों की गति, दर्द, तापमान और स्पर्श संवेदनाओं** के लिये ज़िम्मेदार तंत्रिकाओं को प्रभावित करता है।
    - हालाँकि यह वयस्कों और पुरुषों में अधिक सामान्य है, **GBS सभी उम्र के व्यक्तियों में** हो सकता है।
- **कारण:** GBS का सटीक कारण अज्ञात है, लेकिन **विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)** के अनुसार, GBS प्रायः संक्रमण से पहले होता है। यह **जीवाणु या विषाणु संक्रमण हो सकता है। यह प्रतिरक्षा प्रणाली को शरीर पर ही आक्रमण करने के लिये प्रेरित** करता है।
    - दुर्लभ मामलों में **टीकाकरण** एवं **सर्जरी से GBS विकसित होने का जोखिम थोड़ा बढ़ सकता है, लेकिन ऐसा होने की संभावना बहुत कम** है।
    - अध्ययनों से जानकारी प्राप्त होती है कि **फ्लू जैसे संक्रमणों से GBS होने** का **जोखिम फ्लू के टीके से होने वाले जोखिम से कहीं अधिक** है।
- **उपचार:** GBS उपचार में **प्लास्मफेरेसिस** जैसी प्रक्रियाएँ शामिल होती हैं, **जो प्लाज़्मा को हटा देती है और इसे अन्य तरल पदार्थों से परिवर्तित कर देती है।**
- **GBS और कोविड-19**: कोविड-19 से पीड़ित वयस्कों और बच्चों दोनों में GBS के मामले सामने आए हैं। इसके अलावा **कोविड-19 टीकों** के प्रशासन के बाद GBS के मामलों पर भी चिंता जताई गई है।
    - **जॉनसन एंड जॉनसन वैक्सीन (वायरल वेक्टर वैक्सीन)** प्राप्त करने वाले 12.8 मिलियन लोगों में से GBS के लगभग **100 संदिग्ध मामलों की पहचान** की गई थी।
        - **फाइज़र (mRNA वैक्सीन) और एस्ट्राजेनेका (वायरल वेक्टर वैक्सीन)** लेने के बाद भी GBS के कुछ मामले सामने आए हैं।
    - **WHO** की एक उपसमिति ने पाया कि **एडेनोवायरस वेक्टर कोविड-19 टीकों** के साथ जीबीएस के दुर्लभ मामले सामने आए हैं, **लेकिन mRNA टीकों के साथ नहीं।**
    - हालाँकि वर्तमान के अध्ययनों से पता चलता है कि इन संभावित दुष्प्रभावों के बावजूद **कोविड-19 टीकाकरण के लाभ जोखिमों से कहीं अधिक हैं।**
        - **SARS-CoV-2 संक्रमण या टीकाकरण के बाद GBS की घटना दर कम** है।

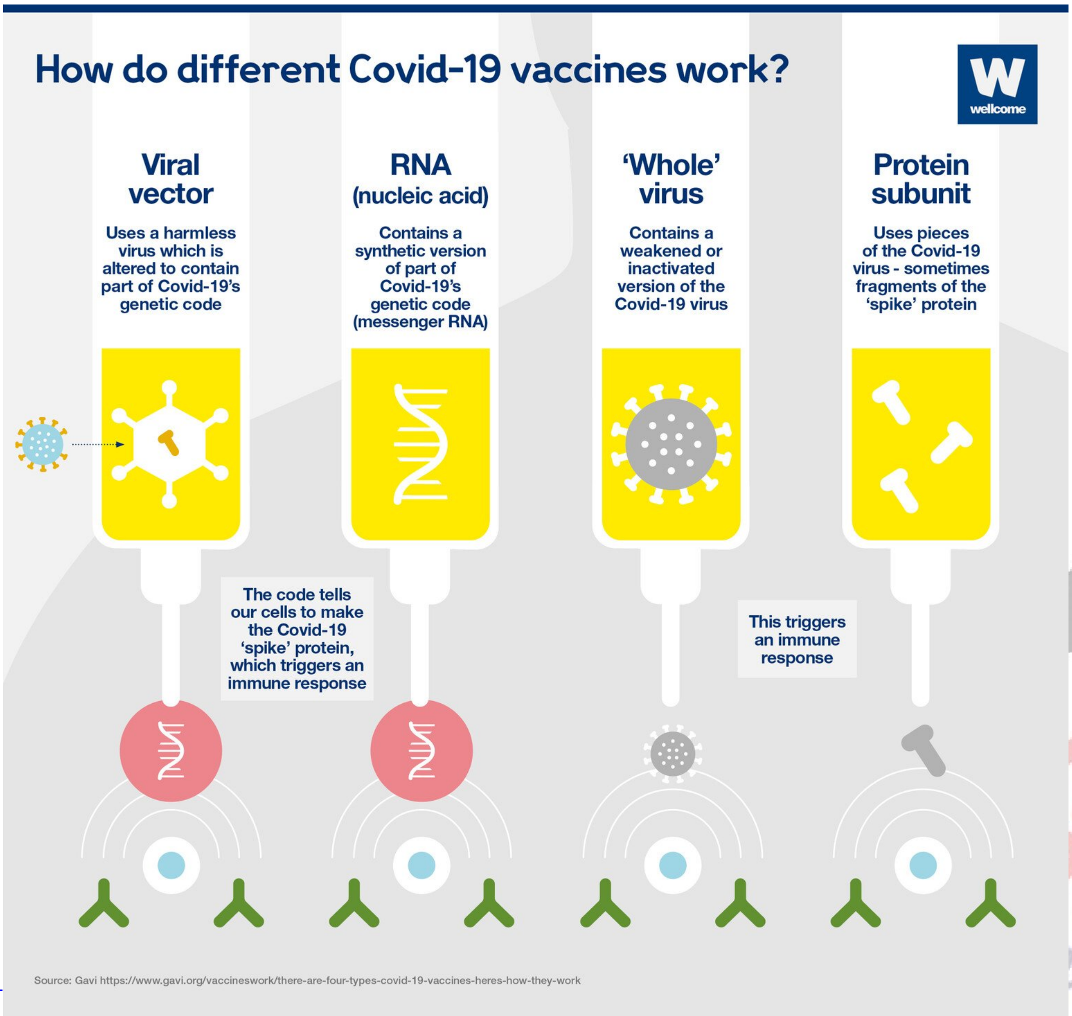

//

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. कोविड-19 विश्वमहामारी को रोकने के लिये बनाई जा रही वैक्सीनों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2022)

1. भारतीय सीरम संस्थान ने mRNA प्लेटफॉर्म का प्रयोग कर कोविशील्ड नामक कोविड-19 वैक्सीन निर्मित की।
2. स्पुतनिक V वैक्सीन रोगवाहक (वेक्टर) आधारित प्लेटफॉर्म का प्रयोग कर बनाई गई है।
3. कोवैक्सीन एक निष्कृत रोगजनक-आधारित वैक्सीन है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

स्रोत: डाउन टू अर्थ